सरस्वती विद्या मन्दिर जू. हाई स्कूल

आर्यनगर (उत्तरी), गोरखपुर
फोनः 0551-2335124, 2343492 फैक्सः 0551-2335124
e-mail - vidyamandir.gkp@gmail.com
Website - www.vidyamandir.edu.in

विवरण पुस्तिका एवं प्रवेश आवेदन पत्र

ॐ भूभुर्वयः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्

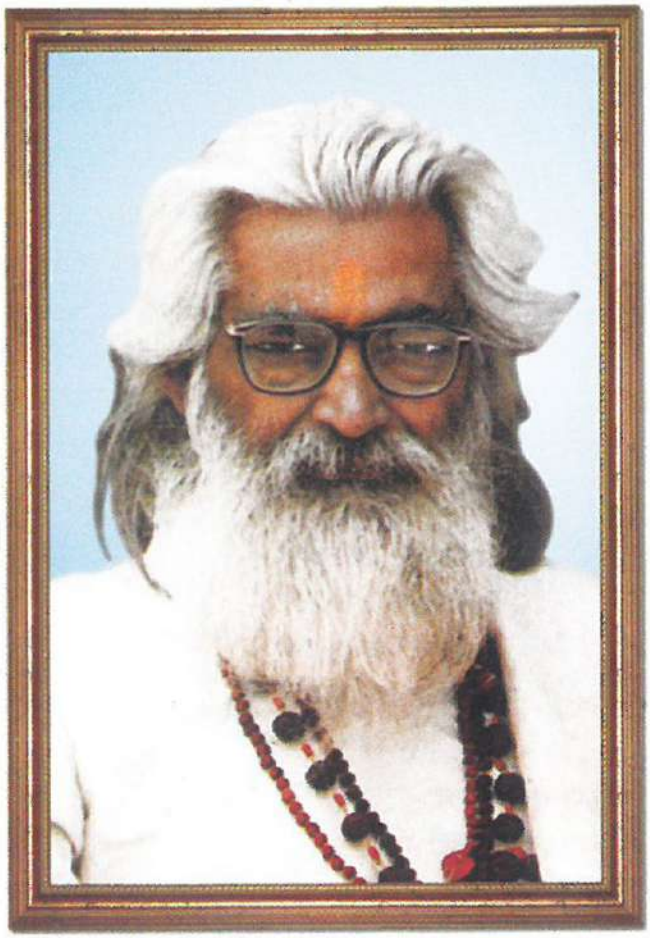

विद्यालय के संस्थापक एवं द्वितीय प्रधानाचार्य
प्रेरणा स्रोत एवं मार्गदर्शक
स्व. नागेन्द्र सिंह जी (दाढ़ी बाबा)

विद्यालय के संस्थापक प्रधानाचार्य
स्व. रवि प्रताप नारायण गिरि जी

विद्या मन्दिर परिवार

स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व राष्ट्रीय स्मिता परकीयों के अधीन थी। भारतीय संस्कृति का मूलोच्छेद किया जा चुका था। सम्पूर्ण राष्ट्र की तरूणाई का लक्ष्य परकीय व्यवस्था से मुक्ति हेतु, अनवरत आत्माहुति करके, भारतीय तन्त्र की पुनर्स्थापना हेतु 1947 में स्वतंत्रता की प्राप्ति हुई थी। हुतात्माओं के बलिदान का बिना विचार किये, राष्ट्र के तत्कालीन तथाकथित सूत्रधारी राजनायिकों ने मैकाले की शिक्षा पद्धति को अप्रत्यक्ष रूप से राष्ट्र पर थोप दिया। भारत माता की आत्मा स्वतंत्र होते हुए भी परोक्ष रूप से पुनः दासता की बेड़ी में जकड़ दी गयी। राष्ट्र की भूख की अनूभूति हुतात्माओं की आत्मा की शान्ति हेतु, भारत माता के सपूतों ने उन्नत स्वाभिमानी राष्ट्र निर्माण की भावना से ओत-प्रोत होकर पूर्ण आत्मविश्वास से 1952 में सरस्वती शिशु मन्दिरों की शिक्षा की योजना आरम्भ किया। जिससे सम्पूर्ण राष्ट्र ही नहीं, अखिल विश्व भी इस शिक्षा पद्धति एवं राष्ट्रीय भावना के प्रति नतमस्तक है। इसी श्रृंखला में विद्या मन्दिर शिक्षण संस्थान, आर्यनगर (उत्तरी), गोरखपुर भी राष्ट्र निर्माण के इस वृहद अभियान में महायोगदान हेतु 13 जुलाई 1964 से समर्पण के साथ लगा हुआ है। किसी भी व्यक्ति, समाज,राष्ट्र का ध्येय एवं लक्ष्य यदि स्पष्ट रहता है, कार्य निस्पृह भाव से करने की भावना होती है, तो सफलता स्वतः पुरूषार्थी के चरण वन्दन हेतु चली आती है। ऐसा ही कुछ विद्या मन्दिर शिक्षण संस्थान, आर्यनगर (उत्तरी), गोरखपुर के सम्बन्ध में चरितार्थ होता है। संस्थान आपके स्नेह एवं सहयोग से सहर्ष स्वाभिमानपूर्वक सम्पूर्ण समाज की चुनौती स्वीकार कर रहा है। विद्या मन्दिर शिक्षण संस्थान, आर्यनगर (उत्तरी), गोरखपुर ने जो कुछ भी समाज से लिया उसको द्विगणित करके पुनः समाज को समर्पित करता जा रहा है। आज जहाँ भोगवादी अर्थ प्रधान शासन व्यवस्था मानव जीवन के लिए सब कुछ मान रही है वहीं हम महान राष्ट्र नायक चाणक्य के उद्घोष ''उतिष्ठ भारत'' का सदैव-सदैव स्मरण कर शिक्षा के द्वारा सच्चरित्र एवं संयमी मनुष्यों के निर्माण में अपना सौभाग्य अनुभव कर रहे हैं।

अब तक हम अपने साधनो के अभाव के कारण समाज के सर्वांगीण विकास को व्यवस्था देने में असमर्थता का अनुभव कर रहे थे। समाज के सर्वांगीण विकास की पीड़ा हमें सदैव सताती रही है। आपके स्नेह-सहयोग ने हमें इस योग्य बना दिया कि हम जीवन के उभय पक्ष का विकास राष्ट्र निर्माण हेतु एक स्थान पर साथ-साथ आरम्भ कर दें हमारा अभिप्राय आप अनुभव कर रहे होंगे। जीवन का उभय पक्ष पुरूष एवं नारी के समुन्नति से ही विकसित हो सकता है।

नारी क्षेत्र है, तो पुरुष बीज है। यदि क्षेत्र उर्वर नहीं रहा तो उसमें किसी भी प्रकार बीज न ही जम

सकता है, न विकसित, पल्लवित, पुष्पित एवं फलित ही हो सकता है। देश का इतिहास साक्षी है, भारतीय नारियों ने ही महापुरूषों का निर्माण किया है। नारी का निर्माण हमारे ऋषि, मुनि, पुरोधा अभावों की आँच में तपकर अरण्य संस्कृति में किया करते थे। गार्गी से लेकर महारानी लक्ष्मीबाई की गौरव गाथा हमारी कीर्ति पताकायें हैं। यह कीर्ति पताकायें नील गगन में अनादि काल तक फहराती रहें इसी भावना से प्रेरित होकर बालिकाओं की उच्च शिक्षा हेतु सरस्वती विद्या मन्दिर के प्राँगण में ही एक बालिका इण्टर कालेज तथा स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय आरम्भ किया गया है। आज बालिकाओं के लिए परास्नातक तक विज्ञान वर्ग एवं वाणिज्य वर्ग की कक्षाएँ नवीन साज-सज्जा युक्त कक्षाओं एवं प्रयोगशालाओं में स्नातकोत्तर महाविद्यालय अनूठा चल रहा है। पिछले 21 वर्षो से लगातार 100% परीक्षा परिणाम हो रहा है।

शिवजी सिंह
प्रधानाचार्य/ जूनियर हाईस्कूल
एवं संस्थान प्रमुख
दूरभाष : 2335124 (का)

निम्नलिखित सूचनाओं पर ध्यान दें –

1. नवीन प्रवेश हेतु विद्यालय कार्यालय का समय प्रातः 9.00 बजे से 2.00 बजे अपरान्ह तक रहेगा।
2. विद्यालय का कक्षा काल 01 अप्रैल से 20 मई तक प्रातः 7.30 बजे से 12.30 बजे तक एवं 01 जुलाई 2019 से 30.03.2020 तक 9.10 से 3.00 बजे तक कक्षाएं चलेंगी।
3. गणवेश एवं पुस्तकों की सूची प्रवेश के समय दी जायेगी।
4. प्रत्येक अभिभावक को विद्यालय के नियमानुसार गणवेश, पाठन-सामाग्री प्रवेश के बाद 7 दिन के अन्दर पूर्ण कर देना होगा।
5. विद्यालय वस्तु भण्डार से बैज तथा बेल्ट पैसा जमा करने पर प्रवेश के समय प्राप्त होगा।
6. विद्यालय से कक्षा पंचम एवं अष्टम उत्तीर्ण भैया/बहनों की प्रवेश परीक्षा नहीं होगी किन्तु 20 मार्च 2019 तक जिनका पंजीकरण नहीं होगा उनका प्रवेश नही होगा।

विशेषः

प्रवेश परीक्षा के सफल अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि प्रवेश परीक्षाफल घोषित होने के पाँच दिन के अन्दर प्रवेश करा लें, अन्यथा स्थान सीमित होने के कारण प्रवेश से वंचित होना पड़ेगा।

गणवेश

शिशु से अष्टम् तक के भैया : (सोमवार से शुक्रवार)

ग्रीष्मकालीन : सफेद कमीज, नेवी ब्लू पैन्ट, सफेद लालधारी मोजा, काला जूता (रेक्सीन एवं कपड़े का), सफेद रूमाल।
(शनिवार- सफेद कमीज, सफेद पैन्ट, सफेद मोजा, सफेद जूता (कपड़े का))

नोट- शिशु एवं प्रथम के पैन्ट में गेलिश लगा रहेगा।

शीतकालीन : सफेद फुल कमीज, नेवी ब्लू फुल पैन्ट, लाल हाफ स्वेटर, लाल ब्लेज़र, लाल फुल स्वेटर, लाल टोपी/मफलर।

शिशु से पंचम् तक की बहनें : (सोमवार से शुक्रवार)

ग्रीष्मकालीन : सफेद कमीज, नेवी ब्लू स्कर्ट, सफेद लालधारी मोजा, काला जूता (रेक्सीन का), सफेद रूमाल।
(शनिवार- सफेद कमीज, सफेद स्कर्ट, सफेद मोजा, सफेद जूता (कपड़े का))

शीतकालीन : सफेद फुल कमीज, नेवी ब्लू फुल स्कर्ट, लाल हाफ स्वेटर, लाल ब्लेज़र, लाल फुल स्वेटर, लाल टोपी/मफलर।

षष्टम् से अष्टम् तक की बहनें : (सोमवार से शुक्रवार)

ग्रीष्मकालीन : सफेद ब्लाऊज़, डार्क ग्रे (शेड नं० 91 जे.सी.टी.) स्कर्ट (डबल घेरा), सफेद मोजा, काला जूता (रेक्सीन का)।
(शनिवार- सफेद ब्लाऊज़, सफेद स्कर्ट, सफेद मोजा, सफेद जूता (कपड़े का))

शीतकालीन : सफेद ब्लाऊज़, डार्क ग्रे (शेड नं० 91 जे.सी.टी.) स्कर्ट (डबल घेरा), नेबी ब्लू हाफ स्वेटर, नेवी ब्लू ब्लेज़र, नेवी ब्लू फुल स्वेटर, नेवी ब्लू मफलर।

मासिक एवं वार्षिक शुल्क विवरण :

शुल्क विवरण

कक्षा	मासिक	वार्षिक	प्राचीन छात्र
शिशु अ	250.00	1200.00	-
शिशु ब	300.00	1200.00	1000.00
प्रथम	350.00	1200.00	1000.00
द्वितीय	500.00	2000.00	1500.00
तृतीय	500.00	2000.00	1500.00
चतुर्थ	500.00	2000.00	1500.00
पंचम	500.00	2000.00	1500.00
षष्ट से अष्टम् तक	750.00	2500.00	2000.00

बस एवं रिक्शा शुल्क प्राइमरी - रू0 650.00

बस एवं रिक्शा शुल्क जूनियर - रू0 750.00

वाहन शुल्क 12 माह तक का होगा।

नोट : डीजल के मूल्य में वृद्धि होने पर बस किराया बढ़ाया जा सकता है।

आवश्यक सूचना

सरस्वती विद्या मंदिर, आर्यनगर (उत्तरी), गोरखपुर अन्तर्राष्ट्रीय करूणा क्लब का सदस्य है। करूणा क्लब से प्रेरित होकर सरस्वती विद्या मंदिर के संस्थान प्रमुख ने निर्णय लिया है कि पिछले सत्र 2012 से विद्या मंदिर शिक्षण संस्थान में अहिंसा को बढ़ावा देने के लिए सभी भैया/बहन, रेक्सीन/कपड़े के जूते ही पहनेंगे। चमड़े का जूता गणवेश में नहीं पहनेंगे। चमड़े का जूता इन जूतों से महंगा भी है तथा हिंसा को बढ़ावा भी देता है।

पंजीकरण शुल्क रू०200.00 देय होगा।

वार्षिक शुल्क विवरण: (प्रवेश के समय अप्रैल मास के किश्त के साथ)

	विवरण	षष्ठ से अष्टम्
1.	पुस्तकालय	10.00
2.	विद्युत	210.00
3.	चिकित्सा	10.00
4.	परीक्षा	300.00
5.	पत्रिका	80.00
6.	वार्षिक कार्यक्रम	150.00
7.	प्रवेश शुल्क	500.00
8.	साज-सज्जा	100.00
9.	दूर संचार	20.00
10.	उपकरण मरम्मत	170.00
11.	विकास शुल्क	900.00
12.	परिचय-पत्र	50.00
	सर्वयोग	2500.00

आलोक- कक्षा षष्ठ से अष्टम तक के पुराने भैया/बहनों को प्रवेश शुल्क रू० 500.00 कम अर्थात 2000.00 रू० जमा करना होगा।

आलोक :

1. शैक्षणिक यात्रा का शुल्क अलग से लिया जायेगा।
2. जिन पिता के तीन बच्चे जूनियर हाईस्कूल में अध्ययनरत रहेंगे उसमें से एक बच्चे का शिक्षण शुल्क आधा माफ कर दिया जायेगा। 05 मई 2019 तक प्रार्थना पत्र देने पर इस विषय पर विचार किया जायेगा। यह छूट 11 माह के शुल्क में प्राप्त होगा।
3. इसके अतिरिक्त कोई शुल्क नहीं लिया जायेगा।
4. विद्या मंदिर में सत्र 2001-2002 से शिशु से इण्टर कक्षा तक कक्षा में प्रथम स्थान पाने वाले भैया/बहनों का शुल्क आधा एवं द्वितीय स्थान पाने वाले भैया/बहनों का शुल्क चौथाई माफ होगा।
5. स्व० रवि प्रताप नारायण गिरि प्रतिभा सम्मान जो भैया/बहन अपने विभाग में प्रथम स्थान (सर्वाधिक अंक) प्राप्त करते है उन्हें यह सम्मान, गौरव-पत्र, शिल्ड तथा शुल्क में 75% की छूट दी जायेगी।

हमारा लक्ष्य एवं उद्देश्य :

1. स्वच्छ सुन्दर आधुनिक साज-सज्जा से नवनिर्मित भवन।
2. सुयोग्य, संस्कारित आचार्यों द्वारा मनोवैज्ञानिक विधि से अध्यापन।
3. संस्कारक्षम वातावरण से दैनिक जीवन में दैनन्दिनी संस्कारों की उत्तम व्यवस्था।
4. नियमित, निर्धारित गृहकार्य की व्यवस्था।
5. क्रिया आधारित शिक्षण पर बल।
6. व्यवस्था प्रिय नागरिक, व्यक्तित्व शक्ति विकास हेतु छात्र/छात्रा संसद की व्यवस्था।
7. उत्तरदायित्व की भावना हेतु छात्र मंत्रीमंडल की रचना।
8. विषयों के व्यवहारिक ज्ञान हेतु संस्कार भारती का गठन।
9. सामाजिक, भौगोलिक, ऐतिहासिक, धार्मिक ज्ञानार्जन हेतु दर्शन (यात्राएं) शिविर एवं प्रदर्शनियों का आयोजन।
10. शिक्षार्थ आइये, सेवार्थ जाइये की भावना को व्यवहारिक रूप देने हेतु असहाय एवं अशिक्षित क्षेत्रों में सेवा के कार्यों का आयोजन।
11. मातृभूमि, संस्कृति, धर्म, परम्परा एवं महापुरूषों के सम्बन्ध में सम्यक जानकारी हेतु संस्कृति ज्ञान परीक्षा।
12. आध्यात्मिक, वैज्ञानिक एवं आधुनिकतम साधनों द्वारा शारीरिक एवं योग प्रशिक्षण की व्यवस्था।
13. आचार्य, छात्र एवं अभिभावक में पारिवारिक समरसता एवं सत् परामर्श हेतु कक्षासः अभिभावक गोष्ठी का आयोजन।
14. लेखन प्रतिभा के विकास हेतु वार्षिक पत्रिका जागृति का सम्पादन एवं प्रकाशन।
15. छात्राओं के सर्वांगीण मूल्यांकन हेतु सतत् समीक्षात्मक पद्धति का प्रयोग।
16. शारीरिक, मानसिक, व्यवसायिक, नैतिक और आध्यात्मिक पंचमुखी शिक्षा व्यवस्था। विद्यालय का आगामी सत्र वर्तमान सत्र की समाप्ति के तुरन्त पश्चात प्रारम्भ होगा। विद्यालय में छात्र/छात्राओं का प्रवेश वरीयता क्रम के अनुसार लिया जायेगा। विस्तृत जानकारी हेतु विद्यालय कार्यकाल के अवधि में प्रधानाचार्य से सम्पर्क करें।
17. समुचित व्यय में बालिकाओं का पूर्ण विकास।
18. बालकों के चरित्र का इस ढंग से निर्माण कि वह कठिन काल में उनके जीवन की ज्योति तथा संबल बन सके।
19. ''स्वस्थ शरीर में स्वस्थ आत्मा'' के सिद्वांतानुसार सुगठित तथा निरोग शरीर रचना पर पूरा ध्यान।

20. जीवन के प्रति कला और आनन्द की वृत्ति निर्माण के लिए सभी प्रकार की सुरूचियों तथा सुसंस्कारों को जाग्रत करना।
21. बालकों में शिष्टाचार, सदाचार, सामाजिक भाव, राष्ट्रभक्ति तथा परस्पर सहयोग वृत्ति का निर्माण।

हमारी विशेषताएं :

1. शिक्षक: शिक्षा का महत्वपूर्ण अंग अध्यापक हैं जिन्हें विद्या मंदिर में आचार्य कहते है। शैक्षणिक योग्यता के साथ, शिक्षा में रूचि, भारत की मान बिन्दुओं के प्रति निष्ठावान, अनुशासित तथा चरित्रवान शिक्षक है।

2 शिक्षा: शिक्षण की जितनी भी मान्य पद्धतियाँ हैं उन सभी का तत्व लेकर एक विशेष पद्धति का अनुसरण किया जाता है, जिसका आधार भारतीय संस्कृति एवं शिक्षा है। संस्कारों को पुष्ट करने के लिए विभिन्न शिक्षणेत्तर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

3. संस्कार भारती: व्यवस्था प्रिय एवं उत्तरदायित्व का भाव जगाने हेतु संस्कार भारती का गठन किया जाता है। इस संस्था द्वारा पुस्तकालय, वाचनालय की व्यवस्था, जयन्तियों का आयोजन, विशेष व्यक्तियों के आगमन पर उन्हें सम्मान प्रदान करना, प्रवचन, मंचीय कार्यक्रम तथा साहस और ज्ञान वर्धन हेतु गीत, कहानी कविता का आयोजन।

4. सरस्वती यात्रा: नगर के विशेष स्थान तथा निकटवर्ती जनपदों में विशेष स्थान के भ्रमण के कार्यक्रमों के द्वारा सामान्य ज्ञानकोष समृद्ध किया जाता है।

5. देश दर्शन यात्रा: ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थानों का अध्ययन इस यात्रा द्वारा कराया जाता है।

6. पुस्ताकालय: बाल साहित्य तथा उद्धरण सम्बंधी पुस्तकों का विशाल पुस्तकालय है। जहाँ सप्ताह में भैया/बहन एक पुस्तक प्राप्त करते हैं। उद्धरण पुस्तकों के अध्ययन के लिए विद्यालय में ही व्यवस्था है। समाचार पत्र तथा पत्रिकाओं के वितरण की व्यवस्था है।

7. पत्रिका: बालकों की रचना प्रवृत्ति को जगाने के लिए विद्यालय की अपनी वार्षिक पत्रिका ''जागृति'' है।

8. एकरूपता: धनपति एवं धनहीन दोनों के बच्चे एक ही वेष में विद्यालय आवें। इसके लिए

गणवेश रखा गया है। बालकों के शरद एवं ग्रीष्मकालीन वेश भिन्न-भिन्न हैं।

9. (क) बौद्धिक भाषा, अन्तयाक्षरी, सुलेख, कला आदि का आयोजन मासिक स्तर पर किया जाता है।

   (ख) शारीरिक विकास हेतु दैनिक कार्यक्रमों की योजना है। समय-समय पर शारीरिक प्रतियोगितओं का आयोजन किया जाता है।

10. पुरस्कार योजना: हमारे संस्थान द्वारा विभिन्न अवसरों पर हमारे आचार्य/आचार्या एवं भैयाओं के उत्साहवर्धन हेतु विभिन्न प्रकार की पुरस्कार योजना का आयोजन होता है।

11. अभिभावक गोष्ठी: वर्ग एवं कक्षास: भैया/बहनों के अभिभावकों की छमाही गोष्ठी आयोजित होती है, जिसमे अभिभावक अपनी समस्या रखते हैं तथा विद्यालय अपनी योजनाओं को बताता है। दोनों के सामयिक विचार विनिमय से बालकों /बालिकाओं का विकास किया जाता है।

12. वाहन व्यवस्था: नगर के सघन भाग में विद्यालय के रिक्शे जो विशेष प्रकार से भैया/बहिनों हेतु निर्मित हैं, चलते हैं। महानगर के प्रत्येक भाग का वाहन शुल्क एक ही है, महानगर के प्रत्येक भाग में विद्यालय की बसें भी संचालित हैं, जिसमें परिवहन में प्रत्येक सम्भव सुविधा प्राप्त है। इस समय विद्यालय में पाँच बसें एंव कार है।

13. वार्षिकोत्सव एवं सरस्वती पूजन: बसंतपंचमी के दिन सरस्वती पूजन एवं वार्षिकोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम के रूप में मनाया जाता है।

मंत्री

सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल

सरस्वती विद्या मन्दिर,

आर्यनगर-गोरखपुर

वन्दे मातरम्....

सुजलां सुफलां मलयज शीतलाम्
शस्य श्यामलां मातरम्। वन्दे मातरम् ॥
शुभ्र ज्योत्सनां पुलकितयामिनीम्
फुल्ल-कुसुमित द्रुम-दल शोभिनीम्
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्
सुखदां वरदां मातरम्। वन्दे मातरम् ॥
कोटि-कोटि कण्ठ
कल-कल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैधृत-खर-करवाले।
अबला केनो मा! एतो बोले,
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं
रिपुदलवारिणीं मातरम्। वन्दे मातरम् ॥
तुमि विद्या तुमि धर्म, तुम हृदि तुम मर्म,
त्वं ही प्राणा: शरीरे
बाहु ते तुमि माँ शक्ति,
हृदये तुमि माँ भक्ति,
तोमारई प्रतिमा गड़ि मन्दिरे-मन्दिरे।
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी
कमला कमलदलविहारिणी
वाणी विद्यादायिनी, नमामि त्वां
नमामि कमलां, अमलां,अतुलां
सुजलां सुफलां मातरम्। वन्दे मातरम् ॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषितां।
धरणीं, भरणीं मातरम्। वन्दे मातरम् ॥

जय हिन्द!

सरस्वती विद्या मन्दिर

आर्यनगर उत्तरी, गोरखपुर के निम्नलिखित सात प्रभाग हैं-

सरस्वती विद्या मन्दिर जूनियर हाईस्कूल

आर्यनगर उत्तरी, गोरखपुर
दूरभाष : 2335124

सरस्वती विद्या मन्दिर बालिका इण्टर कालेज

आर्यनगर उत्तरी, गोरखपुर
दूरभाष : 2343492
विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग

सरस्वती विद्या मन्दिर स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध

आर्यनगर उत्तरी, गोरखपुर दूरभाष : 2201036
स्नातक
(विज्ञान बायो ग्रुप, होम साइन्स एवं वाणिज्य)
स्नातकोत्तर
(प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान)
बी.एड. पाठ्यक्रम

सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज (बालक)

आर्यनगर उत्तरी, गोरखपुर
दूरभाष : 2202359
विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग

सरस्वती विद्या मन्दिर जीजाबाई महिला छात्रावास

आर्यनगर उत्तरी, गोरखपुर
दूरभाष : 2330496

विद्या मन्दिर शिक्षण संस्थान

रहमतनगर, मानीराम, गोरखपुर
बी.टी.सी. पाठ्यक्रम
मो. : 9415824504

SVM Public School

Chiutaha, Maniram, Gorakhpur
(English Medium C.B.S.E. Pattern)
Ph.: 2108883

मुद्रक: कस्तूरी आफसेट, गोरखपुर फोन: 0551-2340516, 2330589